

Shri B. S. Murthy: Are there any more amendments contemplated in the Income-tax Law?

The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari): The question is as stated by the hon. Member. These are being constantly reviewed from time to time and often times, as the hon. Member knows, and as I have mentioned it on the floor of the House, sometimes assessments are delayed by means of writs even in cases which are at the point of settlement. The matter goes to court and a writ is taken and we have to await the decision on that particular matter. Subject to this, whatever can be done to expedite the decision is being done. But the overall question whether any revision is necessary is a matter which is being examined and we will come to some conclusion. When we come to a conclusion in this matter, proposals will, naturally, be put before the House.

Shri Jadhav: May I know the total amount of arrears of income-tax to be recovered up to 31st March, 1957?

Shri T. T. Krishnamachari: Up to 31st March, 1957, I think, the total arrears will be of the order of Rs. 200 crores. But, we expect that by about March 1958, there will be substantial reduction in this.

Mr. Speaker: Next question.

श्री भक्त दर्शन : मेरा निवेदन है कि मेरा प्रश्न संख्या १५८४ बड़ा महत्वपूर्ण है। मैं जरा देी से आशा था। उसे ले लिया जाए।

Mr. Speaker: The question hour is over.

Shri Bhakt Darshan: I was late by few minutes.

Mr. Speaker: The question hour cannot be extended.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

लोहे और इस्पात का आबख्तन

* १५७०. श्री हरिवन्धन शर्मा : क्या इस्पात, खान और इंधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में ऐसे कन्ट्रोल्ड रजिस्टर्ड स्टाकिस्टों तथा इस्पात का सामान बनाने वालों की संख्या कितनी है, जिन्हें टिन, लोहे और इस्पात का नियंत्रित सामान दिया जाता है और वह सामान कितना और किस काम के लिये दिया जाता है ;

(ख) क्या सरकार ने यह जानने के लिये कि दिया जाने वाला सामान नियत काम के लिये ही प्रयोग किया जाता है कभी इस विषय में जांच कराई है; और

(ग) क्या सरकार को मालूम है कि कन्ट्रोल्ड रजिस्टर्ड स्टाकिस्टों और इस्पात का सामान बनाने वालों को दिया जाने वाला अधिकार नियंत्रित सामान चोरी से निकटवर्ती राज्यों को ऊंची दरों पर भेज दिया जाता है?

इस्पात, खान और इंधन मंत्री (सरदार स्वर्ण सिंह) : (क) दिल्ली में ७३ कन्ट्रोल्ड और रजिस्टर्ड स्टाकिस्ट और ४७१ इस्पात का सामान बनाने वाले हैं। कन्ट्रोल्ड, रजिस्टर्ड स्टाकिस्टों को इस्पात, क्रमशः कोटा सर्टिफिकेट और परमिट वालों को बांटने के लिए दिया जाता है। इस्पात का सामान बनाने वाले सामान बनाने के लिए इस्पात प्राप्त करते हैं। अप्रैल, १९५६ से जून, १९५६ तक के समय में कन्ट्रोल्ड स्टाकिस्टों को १०,४५४ टन, रजिस्टर्ड स्टाकिस्टों को १२,२७२ टन, तथा इस्पात का सामान बनाने वालों को लगभग १०,६०० टन इस्पात दिया गया था।

(ख) और (ग). जी, नहीं।